हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 10 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत दावों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश

मण्डला। कलेक्टर कार्यालय मंडला द्वारा वन अधिकार अधिनियम के तहत लंबित दावों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि सभी संबंधित अधिकारी पात्र हितग्राहियों के दावों का समय-सीमा में परीक्षण एवं निराकरण सुनिश्चित करें। इस संबंध में सहायक आयुक्त कार्यालय में संबंधित अधिकारियों की आवश्यक बैठक आयोजित कर लम्बित दावों के परीक्षण तथा नियमानुसार समुचित अनुशंसा के साथ जिला स्तरीय समिति के समक्ष आगामी बैठक में प्रस्तुत करने के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में सहायक आयुक्त डॉ. अरूण शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2026-27 के दौरान प्राप्त दावों के साथ-साथ पूर्व से लंबित प्रकरणों की भी प्राथमिकता के आधार पर समीक्षा की जाएगी। ग्रामसभा, उपखंड स्तरीय समिति एवं जिला स्तरीय समिति के बीच समन्वय स्थापित कर आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा, ताकि पात्र हितग्राहियों को वन अधिकारों का लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने कहा कि दावों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी प्रकरणों का नियमानुसार परीक्षण कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही आवश्यक अभिलेखों का संधारण एवं प्रगति की नियमित समीक्षा भी करने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

कहीं एक शिक्षक के भरोसे चल रहे स्कूल तो कहीं अतिथि शिक्षक के सहारे

जहां 5 की जरूरत वहां 9 शिक्षक

*** जिले में शिक्षकों की पदस्थापना पर बड़े सवाल।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

प्रदेश सरकार का उद्देश्य सुदूर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर शिक्षक भर्ती, स्थानांतरण और पदस्थापना की नीतियां लागू की जाती हैं। लेकिन मंडला जिले में शिक्षकों की पदस्थापना को लेकर सामने आ रही जानकारियां व्यवस्था की पारदर्शिता और प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के कई विद्यालयों में शिक्षकों की वास्तविक पदस्थापना और विभागीय पोर्टल पर दर्ज रिक्त पदों के आंकड़ों में बड़ा अंतर है। आरोप है कि जिन विद्यालयों में पहले से पर्याप्त शिक्षक कार्यरत थे, वहां भी पोर्टल पर पद रिक्त दर्शाए गए। इन्हीं रिक्तियों के आधार पर स्थानांतरण प्रक्रिया के दौरान नए शिक्षकों की पदस्थापना कर दी गई। परिणामस्वरूप कुछ विद्यालयों में आवश्यकता से कहीं अधिक शिक्षक पहुंच गए, जबकि कई ग्रामीण और आदिवासी विद्यालय आज भी शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं।

देवदरा विद्यालय बना बड़ा उदाहरण

मंडला विकासखंड के शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला देवदरा का मामला इस विसंगति का प्रमुख उदाहरण बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार विद्यालय में प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर मिलाकर लगभग 72 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। निर्धारित मानकों के अनुसार यहां पांच शिक्षकों की आवश्यकता है। बताया जाता है कि स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही विद्यालय में छह शिक्षक कार्यरत थे। इसके बाद स्थानांतरण नीति के तहत तीन और शिक्षकों की पदस्थापना कर दी गई। इस प्रकार वर्तमान में विद्यालय में कुल नौ शिक्षक कार्यरत हैं, जो आवश्यकता से चार अधिक बताए जा रहे हैं।

कटरा विद्यालय में भी यही स्थिति

इसी तरह शासकीय माध्यमिक शाला कटरा में भी शिक्षकों की संख्या आवश्यकता से अधिक होने का मामला सामने आया है। सूत्रों के अनुसार विद्यालय में लगभग 82 विद्यार्थी दर्ज हैं। यहां पहले से छह शिक्षक पदस्थ थे। स्थानांतरण प्रक्रिया में एक और शिक्षक की पदस्थापना होने के बाद अब कुल सात शिक्षक कार्यरत हैं, जबकि उपलब्ध छात्र संख्या के आधार पर यहां केवल तीन शिक्षकों की आवश्यकता बताई जा रही है। इस प्रकार यहां भी चार शिक्षक अतिशेष बताए जा रहे हैं।

जिलेभर में हो सकती हैं कई ऐसी विसंगतियां

शिक्षा विभाग से जुड़े जानकारों का कहना है कि देवदरा और कटरा केवल दो उदाहरण हैं। यदि जिले के सभी विद्यालयों में छात्र संख्या, स्वीकृत पद, कार्यरत शिक्षकों तथा विभागीय पोर्टल पर दर्ज रिक्तियों का मिलान कराया जाए तो इसी प्रकार के कई मामले सामने आ सकते हैं। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि किन विद्यालयों में शिक्षक आवश्यकता से अधिक हैं और किन विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई शिक्षकों के अभाव में प्रभावित हो रही है।

ग्रामीण बच्चों की शिक्षा पर पड़ रहा असर

जिले के अनेक ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के विद्यालय आज भी एक या दो शिक्षकों के भरोसे संचालित हो रहे हैं। ऐसे विद्यालयों में एक ही शिक्षक को कई कक्षाओं का संचालन करना पड़ता है, जिससे शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित होती है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आवश्यकता से अधिक पदस्थ शिक्षकों का वैज्ञानिक और निष्पक्ष पुनर्वितरण किया जाए तो बिना नई भर्ती के भी कई शिक्षक-विहीन अथवा शिक्षक-कमी वाले विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है।

जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों से हस्तक्षेप की मांग

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह केवल प्रशासनिक त्रुटि का मामला नहीं, बल्कि ग्रामीण और आदिवासी बच्चों के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है। उनका मानना है कि जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और अभिभावकों को भी इस मुद्दे पर आगे आकर निष्पक्ष जांच की मांग करनी चाहिए, ताकि प्रत्येक विद्यालय में छात्र संख्या और आवश्यकता के अनुरूप शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

कलेक्टर से निष्पक्ष जांच की उम्मीद

जिले के कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे द्वारा पदभार ग्रहण करने के बाद प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही पर विशेष जोर दिया जा रहा है। ऐसे में जिलेवासियों को उम्मीद है कि शिक्षकों की पदस्थापना, विभागीय पोर्टल पर दर्ज रिक्तियों और स्थानांतरण प्रक्रिया की व्यापक एवं निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। यदि जांच में अनियमितताएं सामने आती हैं तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए आवश्यकता से अधिक पदस्थ शिक्षकों को शिक्षक-कमी वाले विद्यालयों में पदस्थ किया जा सकेगा।

इनका कहना है -

जिन विद्यालयों में आवश्यकता से अधिक शिक्षक पदस्थ हैं, वहां की स्थिति का शासन के नियमों के अनुसार परीक्षण किया जाएगा। नियमानुसार अतिशेष शिक्षकों को शिक्षक-विहीन एवं शिक्षक कमी वाले विद्यालयों में पदस्थापित कर शिक्षा व्यवस्था को संतुलित किया जाएगा।

-डॉ. अरुण शुक्ला,
सहायक आयुक्त
जनजाति कार्य विभाग, मण्डला

शासकीय हाईस्कूल देवहार का औचक निरीक्षण

*** शैक्षणिक व्यवस्था मिली संतोषजनक।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/नारायणगंज

विकासखंड शिक्षा अधिकारी आर.के. विश्वकर्मा द्वारा शासकीय हाई स्कूल देवहार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन किया गया।

इस दौरान शिक्षक उपस्थिति पंजी, संस्था संचालन, डेली डायरी, ब्रिज कोर्स, छात्र-छात्राओं की दर्ज एवं उपस्थित संख्या, अपार (APAAR) आईडी की प्रगति, कक्षा संचालन सहित विभिन्न अभिलेखों की जांच की गई। निरीक्षण में विद्यालय की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर छात्र-छात्राओं से विषयवार प्रश्न पूछे तथा उनके सीखने के स्तर का मूल्यांकन किया। विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ उत्तर दिए, जिस पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। साथ ही शिक्षकों से पाठ्यक्रम की प्रगति एवं नवाचार आधारित शिक्षण गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान श्री विश्वकर्मा ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन, समय का सदुपयोग तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व के बारे में प्रेरित किया। उन्होंने शिक्षकों को भी नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया।

विद्यालय परिवार ने आश्वस्त किया कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा शैक्षणिक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भीमडोंगरी में शाला प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न

भुआबिछिया। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भीमडोंगरी में शाला प्रबंधन समिति (एसएमसी) की बैठक प्राचार्य पी. के. पटेल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विद्यालय के समग्र विकास, शैक्षणिक व्यवस्था, विद्यार्थियों के हितों तथा अतिथि शिक्षक भर्ती सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं समिति सदस्यों ने विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शिक्षकों की उपलब्धता, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति तथा शैक्षणिक वातावरण को और बेहतर बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए। साथ ही विद्यालय के सर्वांगीण विकास हेतु सभी के सहयोग से कार्य करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जनपद सदस्य अनंत सिंह राठौर, जनपद सदस्य सुखमन धुर्वे, सरपंच ओम प्रकाश मरावी, सरपंच करन सिंह मरावी, सरपंच श्रीमती ललती भागवत सरोते, प्राचार्य पी. के. पटेल, अक्षय परते विद्यालय के शिक्षकगण एवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

राज्य नोडल अधिकारी श्रीमती सविता ठाकुर ने किया जिला अस्पताल और आईसीटीसी केंद्र का निरीक्षण

*** समीक्षा बैठक में दिए आवश्यक निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

राज्य स्तर से जिला भ्रमण पर पधारीं श्रीमती सविता ठाकुर (संयुक्त संचालक आईईसी एवं मॉनिटरिंग सह नोडल अधिकारी, मिशन एड्स सुरक्षा) ने जिला अस्पताल और आईसीटीसी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र के विभिन्न रिकॉर्ड्स का बारीकी से अवलोकन किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अस्पताल के निरीक्षण के पश्चात मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सभागार में संयुक्त संचालक की अध्यक्षता में एक जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने एड्स नियंत्रण और सुरक्षा से जुड़े सम्पूर्ण कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की। श्रीमती ठाकुर ने उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को फील्ड स्तर पर काम में और तेजी लाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में संयुक्त संचालक के साथ जिला स्वास्थ्य अधिकारी, नोडल अधिकारी (जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम), जिला एपीडेमोलॉजिस्ट, सिविल सर्जन के प्रतिनिधि, प्रभारी डीपीसी एनटीईपी, समस्त ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर सहित एड्स वर्टिकल के सभी अधिकारी और कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अखण्ड ज्योत के पूजन के साथ श्री झूलेलाल चालीसा महोत्सव 13 जुलाई से होगा प्रारंभ...

मण्डला। सिंधी समाज के इष्ट देव भगवान श्री झूलेलाल की आराधना, श्रद्धा, भक्ति का पर्व चालीसा महोत्सव अंबेडकर वार्ड स्थित श्री भगवानी बाई केवल राम श्री झूलेलाल मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया जाएगा, चालीसा महोत्सव का उद्देश्य सभी परिवारों की खुशहाली के लिए कामना करना है,इसी तारतम्य में इस वर्ष सोमवार 13 जुलाई को चालीसा महोत्सव का प्रारंभ किया जा रहा है,सुबह को सामाजिक पंडित रानूनाथ शर्मा के द्वारा श्री झूलेलाल मंदिर में

अखण्ड ज्योत जलाकर चालीसा महोत्सव प्रारंभ किया जाएगा,चालीस दिन के इस धार्मिक आयोजन में मंदिर में सुबह-शाम आरती पूजा में श्रद्धालु एकत्रित होंगे, चालीसा महोत्सव से जुड़े श्रद्धालु चालीस दिन उपवास के दौरान श्रद्धालु भक्ति करेंगे और इष्ट देव की आराधना करेंगे, इस आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं, जिसमें मंदिर की साज सज्जा, प्रति शुक्रवार को महाआरती,विशेष प्रसादी चढ़ावा और अन्य सामग्री एकत्रित करने की तैयारियां शामिल हैं। चालीस दिनों तक विभिन्न आयोजन के साथ 21 अगस्त को इसका समापन किया जाएगा।

अभियान | **नगर पालिका का विशेष अभियानः सिंगल यूज प्लास्टिक पर सख्ती।**

नियम तोड़ने वालों पर 1000 रूपए का जुर्माना

*** नगर का जायजा लेने निकले नपा अध्यक्ष।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

नगर पालिका परिषद मंडला द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के तहत नगर क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथीन पर प्रतिबंध को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता एवं चालानी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान व्यापारियों को प्लास्टिक का उपयोग बंद करने तथा स्वच्छता नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

अभियान के अंतर्गत सुपर मार्केट, शास्त्री मार्केट एवं चौपाटी मार्केट क्षेत्र में संयुक्त निरीक्षण किया गया। इस दौरान नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विनोद कछवाहा के साथ वार्ड पार्षद सुधीर मिश्रा, नरेश कछवाहा, श्रीमती कामनी चौधरी, श्रीमती प्रतिभा साहू एवं दिनेश चौधरी उपस्थित रहे। अभियान में नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, वार्ड सुपरवाइजर तथा अल्ट्रा क्लीन जबलपुर की टीम ने भी सहभागिता निभाई।

निरीक्षण के दौरान दुकानदारों को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक दुकान पर सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्करण के लिए क्रमशः नीले और हरे रंग के डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखें। साथ ही दुकानों के सामने सड़क अथवा खुले स्थान पर कचरा नहीं फैलाने की सख्त हिदायत दी गई।

अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यापारियों के विरुद्ध मौके पर चालानी कार्रवाई करते हुए 1000 रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। नगर पालिका ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता एवं प्लास्टिक प्रतिबंध संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि नगर को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने व्यापारियों से सिंगल यूज पॉलीथीन का उपयोग एवं भंडारण पूरी तरह बंद करने तथा नागरिकों से बाजार जाते समय कपड़े के थैले का उपयोग करने का आग्रह किया। नगर पालिका परिषद ने सभी नागरिकों से स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल मंडला के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने की अपील की है।

एसडीएम सचिन जैन ने एकीकृत माध्यमिक शाला पाटन का किया आकस्मिक निरीक्षण

*** विद्यार्थियों को वितरित कीं पुस्तकें, पालक-शिक्षक संघ की बैठक में दिए महत्वपूर्ण सुझाव।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/घुघरी

घुघरी के एसडीएम (राजस्व) सचिन जैन ने बुधवार, 08 जुलाई 2026 को एकीकृत माध्यमिक शाला पाटन का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण कार्य, साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया।

एसडीएम ने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम से संबंधित प्रश्न पूछे और उनकी शैक्षणिक प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण एवं नियमित शिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा विद्यार्थियों को अनुशासन, नियमित अध्ययन और समय का सदुपयोग करने की प्रेरणा दी।

निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी किया गया। एसडीएम ने बच्चों से कहा कि वे पुस्तकों का सदुपयोग करें, नियमित अध्ययन करें और अपने जीवन में शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही बेहतर भविष्य का सबसे सशक्त माध्यम है।

इसके पश्चात विद्यालय परिसर में आयोजित पालक-शिक्षक संघ की बैठक में एसडीएम सचिन जैन ने अभिभावकों एवं शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विद्यालय और परिवार के बीच निरंतर संवाद एवं सहभागिता आवश्यक है। अभिभावकों से उन्होंने बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, घर पर अध्ययन का अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने तथा विद्यालय की गतिविधियों में सक्रिय सहयोग देने का आग्रह किया।

बैठक में उपस्थित अभिभावकों ने भी अपने सुझाव एवं समस्याएं रखीं, जिन पर एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की सभी शैक्षणिक योजनाओं का लाभ प्रत्येक विद्यार्थी तक समय पर पहुंचे और विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण निरंतर बना रहे, इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

निरीक्षण एवं बैठक के दौरान विद्यालय के शिक्षकगण, पालक-शिक्षक संघ के सदस्य, अभिभावक तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। एसडीएम ने विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए सभी से समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया।

खबर संक्षेप

समस्याओं के मकड़जाल में उलझे ग्रामीण, शासन की योजनाएं कागजों तक

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। सरकारे की कितने ही दावे करे मगर नीचले स्तर की सच्चाई को नही ठुकराया जा सकता है? यह बात अलग है कि सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का विकास करने के लिए भला करोड़ो रूपया पानी की तरह बहाया जा रहा हो मगर ग्रामीण क्षेत्रों की यदि सच्चाई पर जाया तो हकीकत कुछ और ही दिखाई दे रही है? क्षेत्रवासी आज भी अनेक समस्याओं से गुजर रहे है? क्षेत्र के अनेक ग्राम पंचायते वनों के बीच स्थित हैं जिनमें कु छ ग्राम ऐंसे हैं जहाँ आवागमन हेतु आज भी सड़के उपलब्ध नहीं हो पाइ हैं न ही ऐंसी ग्राम पंचायतो व ग्रामों का विकास ही हो रहा है? जिसके चलते अंधकार में डूबे गाँवों में जब कोई बीमार हो जाता है तो उसके इलाज के लिये ग्राम में कोई सुविधा तक उपलब्ध नहीं है? जहाँ से उन्हें प्राथमिक उपचार देकर स्वास्थ्य केन्द्र पहुँचाया जा सके, प्रदेश में बीते वर्षो में गाँव-गाँव, घर-घर बिजली देने का अभियान चलाया गया था, जिसके तहत गरीब आदिवासियों को बिजली दी जानी थी। लेकिन उस अभियान के बाद भी क्षेत्र के ग्रामों में बिजली नहीं पहुँच पाई है लेकिन जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों ने शासन प्रशासन को गुमराह कर झूठी वाहवाही लूटी जिसका दुष्परिणाम आज भी क्षेत्र के गरीब आदिवासी भुगत रहे हैं। इन दिनों क्षेत्र में बिजली की बेजा कटौती हो रही है, बिजली के आने जाने का काई समय निर्धारित नहीं है,क्षेत्र की शालाओं में पदस्थ शिक्षक-शिक्षिकाएँ समय बेसमय आना जाना करना आम बात रहती है? जिससे शिक्षण कार्य प्रभावित होता रहता है, मगर इसके बाद भी संबंधित विभाग के अधिकारीगण जानते बूझते इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं, बनाचंल के क्षेत्रवासी आज भी अभावों में जीवन गुजार रहे हैं, गरीब आदिवासियों ने अनेकों बार अपनी मूलभूत समस्याओं से जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को अवगत कराया किंतु उन्हें झूठे आश्वासनों के अलावा और कुछ नहीं मिला जिससे क्षेत्रवासियों में शासन-प्रशासन के खिलाफ खासा असंतोष व्याप्त है।

फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर कर रहे लोगों की जान से खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज/चीचली। क्षेत्र मे इन दिनो फर्जी डिग्रीधारी, डॉक्टर अनपढ़ लोगो को दवाइयों के नाम पर लूट खसोट करने मे कोई कोर कसर बाकी नही रखते है? जबकि अंचल में पड़ोसी राज्यो के फर्जी डॉक्टरों द्वारा दवाई करने के नाम पर डिस्पेंसरी का संचालन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां पड़ोसी राज्यों बंगाल, बिहार, कलकत्ता,उड़ीसा आदि राज्यों सें आकर लोग डॉक्टरी पेशे को कमाई का जरिया बनाये हुए है और जो लोगों को दवाइयां करने के नाम पर ठगने मे कोई कोताही नही बरतते है? इतना ही नहीं मर्ज कितना भी जटिल क्यो न हो ये डॉक्टर दवाई करने से नही चूकते है, मजेदार बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इनसे दवाई करवाने क्षेत्र से अधिकांशतः अनपढ़ लोग आते है। जिसका फायदा ये चिकित्सक आराम से उठा रहे है,बकायदा अपने डिस्पेंशरी मे साइन बोर्ड लगाकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते है, इतना ही नही वोर्ड मे कई देशी व विदेशी संस्थानों से डिग्री पास करने का उल्लेख करते है।

हींग विक्रय करने की आड़ में दिया जाता था चोरी की घटनाओं को अंजाम

चौहान की टीम द्वारा तीन आरोपियों को पकड़ते हुये उनके पास से जप्त किये तीन लाख से अधिक कीमत के चोरी किये गये जेवर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र में बीते हुये लम्बे समय से देखा जा रहा है कि जहां तहां भींख मांगने वालों के डेरा जमे होने के साथ अनेक महिलाओं से लेकर पुरूष जहां शहर की सड़को पर भ्रमण करते हुये देखे जाते है। मगर रात के समय कहा गायब हो जाते है इसका शायद ही किसी को पता रहता हो..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र में कुर्सी टेबल से लेकर हींग, कपड़ा व अन्य सामग्री विक्रय करने वाले लोगों की संदिग्ध भूमिका को लेकर भी मीडिया यानि की मुख्य रूप से हरिभूमि द्वारा इस सच्चाई को लगातार उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही थी। वही दूसरी ओर बाहर से इस तरह सामग्री विक्रय करने वालों की गतिविधियों पर अपराधिक होने की जो संभावना व्यक्त की गई थी इस सच्चाई पर बीते हुये टीआई अशोक सिंह चौहान की टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये हींग विक्रय करने की आड में चोरी करने वाले अंतरराज्यीय शातिर चोरों की टीम को पकड़ते हुये मुहर लगाने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। बताया जाता है कि इस समय जिला पुलिस अधीक्षक डा ऋषिकेश मीना के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मार्ग दर्शन तथा उप पुलिस अधीक्षक ललित सिंह डागुर दिशा निर्देशन में टीआई अशोक सिंह चौहान की अीम द्वारा लगातार गस्त करते हुये संदिग्धों पर पैनी नजर बनाये हुये है। इसी के चलते बीते हुये दिवस टीआई चौहान की टीम द्वारा जब गस्त की जा रही थी तो इस दौरान सूचना मिली की नगर के बस स्टेण्ड मे बस से बैग को काटकर सोने चांदी का मशरुका चोरी कर ले जाने ले जाया जा रहा है। इस तरह प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपागण के विरूद्ध मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया। वही घटना की सच्चाई से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराये जाने के चलते प्रकरण की गंभीरता को मदेनजर रखते हुये अज्ञात चोर की गिरफ्तारी एवं संपत्ति बरामदगी हेतु पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। इस तरह बनाई गई टीम मे मुख्य रूप से निरीक्षक अशोक सिंह चौहान,उप निरीं अंकित रावत, प्रधान आरक्षक रामगोपाल सिंह राजपूत, आरक्षक रूपेन्द्र चौबे, वही गिद्व की भांति संदिग्धों को एक ही नजर में परखने के लिये माहिर माने जाने वाले आरक्षक दिनेश पटैल,सुजल भार्गव,आर्दश पाठक,यश मेहरा,दीपक कौरव, कुमुद पाठक को शामिल किया गया था। इस टीम द्वारा लगातार संदिग्ध व्यक्तियों की धरपकड़ एवं पूछताछ की गई। मुखविर सूचना के आधार पर टीम द्वारा समीपस्थ कौडिया रोड कुछ संदेहियों को पकड़ते हुये जब उनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना नाम .योगेन्द्र पिता उदल सिंह उम्र 35 साल, सत्तू पिता प्रभूदयाल सिंह उम्र 42 साल तथा तीसरे ने भूपेन्द्र सिंह पिता मोहनलाल सिंह उम्र 27 साल सभी निवासी मिर्जापुर जिला हाथरस,(उ.प्र.) का होना बताते हुये अपने आपको हींग विक्रय करने के लिये क्षेत्र में आने की बात कही गई। मगर जब पुलिस द्वारा इन लोगों की तलासी ली गई तो सच्चाई को देखकर टीआई चौहान की टीम में हैरत में पड़ने से नही चूक पाई। क्योंकि तलाशी लेने पर आरोपीगण से चोरी किये गये 1 सोने का हार, 1 सोने की अंगुठी, 1 चांदी का कमरबंद मिला। इस तरह आरोपियों के पास से जप्त की गई सामग्री की कीमत लगभग 3 लाख रूपये कीमती 13 ग्राम सोना,300 ग्राम चाँदी के जेवर बताये जा रहे है। इस तरह पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्य संकलन एवं मुखबिर की सूचना पर अंतरराज्यीय चोरों के गिरोह को पकड़ने में एक बड़ी सफलता हासिल की गई है। दूसरे प्रांत से हींग का विक्रय के नाम पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपियों के पास से पुलिस ने सोने का हार, सोने की अंगुठी सहित चांदी का कमरबंद जप्त करते हुये आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद मा. न्यायालय के समक्ष पेश करते हुये रिमार्ड पर लेकर इस बात का पता करने का प्रयास किया गया है कि क्षेत्र में किन किन जगहों पर और चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया है।

समर्थन मूल्य पर सरकार द्वारा कम मूंग खरीदी के खिलाफ किसान सहित कांग्रेस पार्टी का एसडीएम कार्यालय का घेराव आज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र के किसानों द्वारा बीते हुये गर्मी सीजन में तेज धूप के बीच जिस तरह दिन रात एक करते हुये मूंग फसल पैदा की गई थी और उन्हें उम्मीद थी कि समर्थन मूल्य पर सरकार द्वारा खरीदी जावेगी जिससे वह अपनी बिगड़ी हुई स्थिति में सुधार लाने में सफल हो जावेगे। मगर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की मूंग फसल को मात्र 25 प्रतिशत खरीदने का जो निर्णय लिया गया है। इस निर्णय पर जहां किसानों में आक्रोश देखने मिल रहा है। वही दूसरी ओर अन्नदाताओं की शेष 75 प्रतिशत मूंग की खरीदी नही किये जाने के चलते उन्हें ओने पोने दामों पर व्यापारियों के पास विक्रय करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा इस स्थिति में मूंग तैयार करने में खर्च की गई राशि निकल पाना भी असंभव होने से नही चूकेगा। इस तरह प्रदेश सरकार के मात्र 25 प्रतिशत मूंग खरीदी के निर्णय को लेकर आक्रोशित किसानों सहित कांग्रेस पार्टी की जिला अध्यक्ष श्रीमति सुनीता पटैल के नेतृत्व में आज विशाल विरोध प्रदर्शन तथा एसडीएम कार्यालय का घेराव करने की तैयारिया की जा रही है। इस विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में जहां किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के शामिल होने की संभावना व्यक्त की जा रही है..? बताया जाता है कि यह विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम व आम सभा दोपहर 12 बजे से नगर की नई गल्लामंडी में आयोजित की जावेगी। वही इसके बाद सभी कांग्रेस कार्यकर्ता व किसानों द्वारा वहां से पैदल मार्च करते हुये एसडीएम कार्यालय पहुंचकर अपना विरोध प्रदर्शन करेगे। इस तरह किसानों सहित कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देखते हुये प्रशासन द्वारा भी अपनी ओर से भारी तैयारिया की गई है। वही इस विरोध प्रदर्शन के पहले से ही नगर में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

मप्र राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने किया क्षेत्र की आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य (राज्य मंत्री दर्जा) श्रीमती साधना स्थापक ने बीते हुये दिवस गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र के के अंतर्गत सांईखेड़ा विकासखंड अंतर्गत ग्राम वनवारी, देवरी एवं मिढवानी में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया गया। बताया जाता है कि इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्रों में उपलब्ध व्यवस्थाओं, बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा एवं अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। वही दूसरी ओर इस दौरान उन्होने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद कर महिलाओं एवं बच्चों को प्रदान की जा रही सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। श्रीमती स्थापक ने आंगनवाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुये उन्होंने विशेष रूप से बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण स्तर एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित नियमित गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। वही कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैं, इसलिए यहां उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान गणमान्य नागरिक, आंनगवाड़ी कार्यकर्ता और बच्चे मौजूद थे।

क्षेत्र में खुलेआम दौड़ रहे ओवर लोडिंग वाहन, पुलिस की कार्यवाही मात्र दो पाहिया वाहनों तक की सीमिति क्यों?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय क्षेत्र की पुलिस द्वारा आये दिन दो पाहिया वाहनों के खिलाफ अपनी मुहिम चलाते हुए जहां चालानी कार्यवाही करते हुये देखा जाता है। मगर पुलिस की इस मुहिम मात्र छोटे दो पाहिया वाहनों तक ही सीमित रहने के कारण चर्चा का विषय बनी हुई है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिस स्थिति में सड़कों पर आटों सहित अन्य वाहनों में ओवर लोड़गि हो रही है उसे पुलिस द्वारा नजर अदांज किया जाना पुलिस की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े करते हुए जान पड़ रही है? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय पुलिस द्वारा इस तरह वाहन मालिकों की मनमानी को नजर अंदाज किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि इस समय क्षेत्र के सड़कों पर दौड़ रहे अनेक यात्री वाहनों में ओवर लोडिंग का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। वही ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जावे तो आटों से लेकर मैजिक गाड़ियों में इस स्थिति में ओवर लोडिंग चल रही है जिसके चलते यात्रियों की जान पूर्ण रूप से खतरे में नजर आ रही है तो दूसरी यातायात नियमों की धज्जियाँ उड़ते हुये देखी जा रही है? इस प्रकार से ओवर लोडिंग के चलते ग्रामीण जन इन वाहनों में अपनी जान को हथेली पर रखकर यात्रा करते हुए देखे जाते है। इस प्रकार से सड़कों पर दौड़ रहे जर्जर व ओवर लोडिंग यात्री वाहन मौत के ताबूत बने हुए हैं। मगर इसके बाद भी यातायात विभाग, ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग कोई कार्यवाही करने के लिए तैयार नजर नही आ रहा है। नगर से लेकर ग्रामीण इलाकों में इन दिनों यात्रियों को बड़ी बसों की कमी की वजह से लोगों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और वहीं वाहनों की कमी भी बड़ी समस्या बनी हुई है। इस कारण से सैंकड़ों ग्रामीण रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर आना-जाना करते हैं। यह बात अलग है कि वर्तमान सूर्य की तेज तपन के दौरान लोगों की आवाजाही कम देखने मिल रही है। मगर इसके बाद भी जो वाहन सड़कों पर दौड़ रहे है उनमें खुलेआम यातायात नियमों की अनदेखी होना आम बात बनी हुई है? यदि विगत वर्षो की घटनाओं पर गौर किया जावे तो इस प्रकार की स्थिति में अनेक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद भी उन पर अंकुश लगाते हुए नही देखा जा रहा है जिसके चलते वाहन चालकों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है। इस प्रकार से पुलिस की चालानी कार्यवाही बाइकों तक सीमित होना पुलिस की कार्य प्रणाली को संदेह के घेरे में खड़ा करते हुए जान पड़ रही है।

ट्रेनो में सीट सुरक्षित करने ट्रेक पार कर यात्री

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर के रेलवे स्टेशन पर रेलयात्री सुविधाएँ मांगने के हकदार है। किन्तु जान जोखिम में डाल उनका ट्रेनो में सफर करने को आतुर रहना उचित नही कहा जा सकता। गौरतलब है कि इन दिनों चुनावी महौल के कारण रेलवे स्टेशन के दोनो प्लेटफार्मो पर रेलयात्री बच्चो, युवाओं, महिलाओं की काफी भीडभाड़ का आलम रहता है, इस दौरान जब भी कोई ट्रेन रूकती है तो उसमें सीट सुरक्षित करने के लिए अधिकतर यात्री अपनी जान की परवाह न कर सीट की जुगाड़ में लग जाते है। हालत यह है कि कभी रूकने के लिए रेंगती ट्रेनो में उनके द्वारा चढ़नें की कोशिश की जाती है। बताया जाता है कि कई रेलयात्री ट्रेनो में सीट सुरक्षित करने के चलते ट्रैक पर खड़े हो जाते है, जब प्लेटफार्म कूद ट्रैक पार करना अपने आम में खतरे से खाली नही रहता, शहरवासियो ने रेल पुलिस से गुहार लगायी है कि स्टेशन पर ट्रेनो के आने के समय वह प्लेटफार्मो पर विशेष चौकासी बरते और रेलो में जगह पाने के लिए ट्रैक का इस्तेमाल करने वाले रेलयात्रियो को ट्रैक से हटा प्लेट फार्मो पर ही बैठकर ट्रेनो में चढ़ने की हिदायत दे।

बाहरी लोगों द्वारा नगर की शासकीय भूमि पर कब्जा करते हुए झोपड़ी बेचने का किया जा रहा गोरखधंधा, प्रशासन बना अनजान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय नगर में जहां तहां पड़ी हुई शासकीय भूमि पर जिस प्रकार से अतिक्रमण हो रहा है उसे देखकर यह जान पड़ने लगा है कि शायद प्रशासन द्वारा अपनी आंखे बंद करते हुए अतिक्रमण कारियों को मौन स्वीकृति प्रदान कर दी गई है जिसके चलते लोगों द्वारा खुलेआम शासकीय भूमियों पर अपनी झोपड़ी नुमा टपारियाँ बनाते हुए उन्हें चंद रूपयों में बेचकर दूसरे जगह स्थापित हो रहे है? इस संबंध में बताया जाता है कि नगर के अनेक वार्डो में जहां शासकीय भूमि पड़ी हुई है जिस कुछ बाहरी लोगों द्वारा नगर में आकर रातो रात अपनी झोपड़ी नुमा टापरियों का निर्माण कर लिया जाता है जिनमें कुछ दिनों तक वह निवास करते है और इसके बाद चंद रूपयों में अन्य दूसरे बाहरी व्यक्ति को बेचते हुए खाली पड़ी हुई अन्य शासकीय भूमि पर रातो रात कब्जा करते हुये अपनी झोपड़ी का निर्माण करने के साथ शासकीय संपत्ति को अपने कब्जे में करने से नही चूकते है? इस प्रकार की सच्चाई के चलते जहां नगर की शासकीय भूमि तो अतिक्रमण की भेंट चढ़ ही रही है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि दूसरे क्षेत्रों से आये हुए लोगों द्वारा नगर में जहां तहां झोपड़ी बनाते हुए किये जा रहे गोरखधंधे के चलते अन्य अपराध भी जन्म ले रहे है? बताया जाता है कि जब यह लोग क्षेत्र के किसी गांव या फिर दूसरे शहर से आकर यहां पर झोपड़ियों का निर्माण करते हुए उनमें निवास करने लगते है तो प्रशासन द्वारा इनकी कोई खोज खबर नही ली जाती है कि आखिर में यह लोग यहां पर कहा से आये है और क्यों आये है तथा इनके द्वारा जिस भूमि पर अपनी झोपड़ी का निर्माण किया गया है वह जगह सही मायने में है किसकी ? इस प्रकार से प्रशासन की उदासीनता के चलते जहां नगर की शासकीय भूमि अतिक्रमण में भेंट तो चढ़ ही रही है, वही दूसरी ओर इन लोगों द्वारा शासकीय भूमि को अपनी बताते हुए अपने रिस्तेदार या फिर किसी गांव के व्यक्ति को चंद रूपयों में बेचकर दूसरी जगह खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर पुनः नई झोपड़ी स्थापित कर ली जाती है, जिसके चलते देखा जावे तो नगर के पिछड़े हुए इलाकों में लगातार बाहरी लोगों की फौज बढ़ती ही चली जा रही है और प्रशासन के साथ साथ पुलिस भी बेखबर है? यदि पुलिस व प्रशासन द्वारा सयुंक्त रूप से अभियान चलाते हुए नगर में बाहरी लोगों द्वारा बनाई गई झोपड़ियों की जांच की जावे तो उनमें निवास करने वाले अनेक बाहरी लोग इस प्रकार के सामने आ सकते है जो अपने अपने क्षेत्र में अपराधों से जुडे हुए निकल सकते है? क्योंकि इस प्रकार के लोगों द्वारा झोपड़ियों का निर्माण करते हुए जब नगर में किसी अपराधिक घटना को अंजाम देते हुए गायब हो जाते है तब कही पुलिस व प्रशासन द्वारा उनकी खोज खबर की जाती है तो पता चलता है कि जिस जगह वह निवास कर रहे है उनकी झोपड़ी तो काफी समय से बंद पड़ी हुई है या फिर उनके द्वारा किसी अन्य दूसरे व्यक्ति को बेचकर गायब हो गये है जिसके चलते फिर पुलिस द्वारा अपराधियों को सिर्फ खोजती ही रहती है?

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार छत्ररसिंह आ. रामचरण एवं भगतराम आ. सत्यनारायण, शैलेष आ. रामसुजान, बृजमोहन कौरव आ. रामदर्शन कौरव, सभी निवासी माल्हनवाड़ा तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर के निवासी है तथा भूमि स्वामी विपतावाई वेवा रामचरण कौरव मेरे पक्षकार छत्रसिंह की मॉ एवं भगतराम, शैलेष, बृजमोहन की दादी थी तथा विपतावाई के नाम से मौजा / ग्राम सलगापुर प.ह.नं. 82 / 168 एवं रा.नि.मं. करपगांव तहसील गाडवारा जिला नरसिंहपुर में भूमि खसरा नंबर 9/11 रकवा 1.862 हे., खसरा नंबर 10/1 क एवं खसरा नंबर 10/1ख रकवा 0.991 हे. जुमला रकवा 2.352 हे. भूमि वर्ष 1992-93 के खसरा किश्तबंदी में दर्ज रही है तथा इस भूमि में विपताबाई की पुत्री ज्ञानवाई पुत्री रामचरणलाल कौरव पति स्व. शोभरन कौरव निवासी ग्राम चांदनखेड़ा तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर ने विधि विरूद्ध तरीके से वर्ष 2009-10 में मौजा सलगापुर की उक्त भूमि खसरा नंबर 9/18 रकवा 0.809 हे. भूमि विपतावाई की उक्त भूमि में से अवैध रूप से राजस्व अधिकारियों एवं पटवारी से मिलकर अपने नाम दर्ज करवा ली है एवं विधि विरूद्ध तरीके से उक्त भूमि का नक्शा बटांकन कराया जा रहा हैं जबकि विपतावाई के वारिस 4 पुत्र क्रमशः स्व. सत्यनारायण, स्व. रामदर्शन, स्व. रामसुजान एवं छत्रर सिंह एवं 2 पुत्री क्रमशः कमलावाई एवं ज्ञानवाई है विपतावाई की मृत्यु के बाद उक्त सभी चारों पुत्र एवं पुत्रियाँ भूमि के कुल रकवा 2.352 हे. भूमि के स्वामी है तथा उक्त सभी विपतावाई के वारिसो के मध्य उक्त भूमियों के बटवारा एवं स्वत्व घोषणा के लिये मेरे पक्षकार व्यवहार वाद एवं अन्य कार्यवाही आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करके करेगें परंतु मेरे पक्षकारों को ज्ञात हुआ है कि ज्ञानवाई कौरव विधि विरूद्ध तरीके से अपने नाम कराई उपरोक्त भूमि को मेरे पक्षकारो व अन्य के हक अधिकार को हड़पने के लिए शीघ्र विक्रय करना चाहती है इसलिए मेरे पक्षकार इस जाहिर सूचना से सूचित करते है कि कोई भी व्यक्ति ज्ञानवाई से भूमि क्रय न करे यदि इस सूचना के बाद भी कोई उक्त भूमि क्रय करता है तो उससे मेरे पक्षकार पाबंदित नही होगें, विपतावाई की सभी भूमियो में मेरे पक्षकार का कब्जा है जिसे वह क्रय करने वाले व्यक्तियों को नही सौपेगें।

दिनॉक 10.07.2026

जगदीश पटैल
अधिवक्ता
सिविल कोर्ट, गाडरवारा, जिला - नरसिंहपुर
मोबाईल नं. - 9425837398

बाजार में छले जा रहे उपभोक्ताओं का भगवान ही मालिक, पक्के बिल देने से कतरा रहे व्यापारी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शहर सहित क्षेत्र के बाजारों में बढ़ रही बाजारो की चकाचौंध बढ़ने के साथ ही आस पास के गॉवो में स्थित दुकाने भी आधुनिक दौर की मनचाही चीजो से सजने लगी है, जीवन शैली बदलने, उपभोक्ता वादी संस्कृति की वजह से बाजार का विस्तार हो रहा है, यह बात अपनी जगह सही है किन्तु हकीकत यह है कि चमकते, दमकते बाजार में वर्तमान में उपभोक्ता की हैसियत ऐसी आदमी की रह गयी है, जो चुपचाप बिना मोलतोल किए अपनी जरूरी की चीजें खरीदकर घर वापिस हो जाते है, जाहिर है व्यापारी मुनाफा कमाने के चक्कर में इतनें संबेदन हीन हो गए है कि उन्हे उपभोक्ताओं को हितों को नजर अंदाज करने में मजा आ रहा है, जिसका नतीजा है कि उपभोक्ता ठगे जा रहे है और कई तरीकों से उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है? बाजार में पत्थरो के बॉटो का चलन बरकार है, डिब्बे सहित मिठाईयॉ तौली जा रही है, एक ही चीज पर विभिन्न तरह के लेबिल लगाकर उन्हे बेरोक टोक बेचा जा रहा है? लुभावने विज्ञापनो के जरिए बिना गारंटी की वस्तुएँ थमायी जा रही है, यही नहीं कोई भी सामान खरीदने पर आमतौर पर व्यापारी पक्का बिल देने से कतरा रहे है, जिससे शासन को प्रतिदिन लाखों का चूना लग रहा है, वही दूसरी ओर इन बातों से अंजान बना प्रशासन मूक दर्शक बनकर उपभोक्ताओं के हितों पर लगातार प्रहार होने का तमाशा देख रहा है, जिसके चलते आये दिन आम उपभोक्ता लुटने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है।

मुख्य मार्गों के किनारे लगे हुये पेड़ों को आग लगाते हुये गिराये जाने से बड़ रहा खतरा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। राष्ट्रीय स्तर के मार्गो के किनारे लगे हुये पेड़ों को लोगों द्वारा उनके बीच आग लगाते हुये खोखला करते हुये गिराये जाने के चलते आम लोगों के लिये खतरा बनने से नही चूक रहा है। इस बात की सच्चाई बीते दिवस गाडरवारा करेली मार्ग पर ग्राम बम्हौरी के पास उस समय देखने मिली जब एक भारी भरकम पेड़ मुख्य मार्ग पर गिर जाने के कारण इस मार्ग की यातायात व्यवस्था काफी समय तक प्रभावित होते हुये देखी गई। बताया जाता है कि तत्वों द्वारा इन पेड़ो के बीच में आग रखते हुये जला दिया जाता है जिसके चलते पेड़ों का मुख्य तना कमजोर हो जाने के कारण पेड़ गिर जाते है, इस स्थिति के चलते कभी कभी यह स्थिति रहती है कि आग से जल जाने के कारण काफी समय तक यह पेड़ खड़ा रहता है, जिसके चलते मार्ग से निकनले वाले लोगों के लिये खतरा बनने से भी नही चूकता है। क्योंकि आग से जलने के बाद इस प्रकार से पेड़ के खड़े रहने के कारण जरा भी हवा चलते हुये पेड़ गिरने की स्थिति में आ जाता है इस दौरान यदि मार्ग से कोई वाहन निकल रहा हो तो वह उसकी चपेट में आने से भी नही बच पाता है, मगर इस सच्चाई को जिम्मेदारों द्वारा नजर अंदाज किये जाने के कारण पेड़ो को आग के हवाले करने वालों के हौसले जहां बुलंद नजर आ रहे है वही दूसरी ओर आम लोगों के जीवन के लिये खतरा बनने से भी नही चूक पा रहा है।

नाबालिग हो रहे शिक्षा से वंचित, सरकार की योजनाओं पर लग रहा प्रश्न चिन्ह..?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। क्षेत्र के आदिवासी समुदाय की स्थिति दिन ब दिन बद्तर होती जा रही है, जहां एक ओर शासन प्रशासन द्वारा इनके उत्थान के लिए चलाए जा रहे सभी नियम कानून कागजो में सिमटते नजर आ रहे है? इस बात की सच्चाई उजागर कर रहे है वे नाबालिग जो प्रतिदिन यहां पर लकड़ी का गट्ठा लेकर बेचने आते है, सूत्रो की माने तो तहसील मुख्यालय के आसपास के क्षेत्रो से ये बालक अपने परिवार वालो के साथ प्रतिदिन अपने बजन से अधिक वजन का गट्ठा लेकर अपनी मजबूरी को बयां करते देखे जा सकते है। इसे मजबूरी ही कहा जाएगा? क्योकि कौन मॉ बाप चाहता है कि उनके बच्चे बच्चियॉ लकड़ी का गट्ठा ढोए? ऐसा नही है कि यह बात किसी से छुपी है, इसे तो प्रशासन के सभी आला अफसर भी देखते है। चाहे गर्मी का मौसम हो या कड़ाके की ठंड, लेकिन परिवार की आर्थिक समस्या या यूं कहे कि दो वक्त की रोटी इन बच्चो को सड़क में लकडी का गट्ठा लेकर खड़ा होने के लिए मजबूर कर देती है? पेट के भूखे, पैरो में बिना चप्पल जूते के, फटेहाल कपड़े पहने हुए इन बच्चो की हालत को देखने पर ही प्रशासन की योजनाओं में हो रहा गोलमाल सामने आ जाता है? कि जिस क्षेत्र में यह बच्चे निवास करते है वहां के स्कूलों में इन बच्चों को उपस्थिति तो प्रतिदिन लग रही ही होगी? मगर इसके बाद भी यह बच्चे शहर में लकड़ी बेचते नजर आते है, आखिर इन बच्चों के नाम पर उन संस्थाओं को भोजन व अन्य सुविधाएं ले कौन रहा है? उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा छात्र छात्राओं को शिक्षा दिलाने संबंधी तरह तरह की योजनाएं चलाई जा रही है, मगर इन नाबालिगों की दशा देखकर नही लगता कि शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन सही रूप में नही किया जा रहा है? लकड़ी ढोने के लिए मजबूर ये बच्चे अपने बचपन को दांव पर लगाते हुए अपना और अपने परिवार के भरण पोषण के लिए हाथ बंटा रहे है, वही इनकी खबर लेने वाला शायद कोई नही है क्योकि यह बात नई नही है, और इस प्रकार से मासूम बच्चे अपने सिरों पर लकड़ी रखे शहरों में आसानी से देखे भी जा सकते है? शायद प्रशासन को इन बालको की मजबूरी का अंदाजा नही है इन बालको की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए यह लकड़ी ढोने का अनवरत सिलसिला थमने का नाम नही ले रहा, इसे रोका जाना चाहिए।

खबर संक्षेप

बिना अनुमति लगे बैनर-होर्डिंग पर प्रशासन सख्त, तीन दिन में हटाने के आदेश

डिंडौरी। अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) डिंडौरी ने सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति लगाए गए होर्डिंग, बैनर, पोस्टर और शुभकामना संदेशों को हटाने के निर्देश जारी किए हैं। यह कार्रवाई उच्च न्यायालय जबलपुर के निर्देशों तथा मध्यप्रदेश सम्पत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 1994 के प्रावधानों के पालन के तहत की जा रही है।जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों तथा चैंबर ऑफ कॉमर्स से सार्वजनिक स्थलों पर बिना अनुमति लगाए गए होर्डिंग, बैनर और पोस्टर तीन दिवस के भीतर हटाने के लिए कहा गया है।
प्रशासन का कहना है कि इस प्रकार की अनाधिकृत प्रचार सामग्री से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है और यह सार्वजनिक संपत्ति के विरूपण की श्रेणी में आती है।एसडीएम ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर अनाधिकृत होर्डिंग, बैनर और पोस्टर नहीं हटाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश सम्पत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 1994 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन स्वयं भी इन प्रचार सामग्रियों को हटाने की कार्रवाई करेगा।इस संबंध में नगर परिषद डिंडौरी, जनपद पंचायत डिंडौरी, अमरपुर और समनापुर सहित संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर लगे अनाधिकृत होर्डिंग, बैनर और पोस्टर निर्धारित समय सीमा के भीतर हटाना सुनिश्चित करें।

घोड़छत्र नदी पर प्रशासन का अचानक छापा

उमरिया। जिले में बहने वाली जीवनदायिनी नदियों का सीना चीर कर चांदी काट रहे अवैध खनन माफिया के खिलाफ प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी और कडक कार्रवाई की है। घोड़छत्र नदी के आंचल को छलनी कर रही खनन गतिविधियों पर शिकंजा कसते हुए एसडीएम मीनाक्षी बंजारे ने भारी पुलिस बल के साथ मौके पर धावा बोल दिया। प्रशासन की इस अचानक हुई एंट्री से मौके पर भगदड़ मच गई। कार्रवाई के दौरान एसडीएम ने वहां काम कर रही टीबीसीएल कंपनी के नुमाइंदों से उत्खनन से संबंधित वैध रॉयल्टी, अनुमति और आवश्यक तकनीकी दस्तावेज मांगे, लेकिन रसूख के दम पर नियमों को ठेंगा दिखाने वाली कंपनी के कर्मचारी मौके पर एक भी कागज पेश नहीं कर सके।
लाल सोने के खेल पर कड़ा प्रहार
बिना अनुमति के धड़ल्ले से चल रहे इस खेल पर कड़ा प्रहार करते हुए प्रशासन ने मौके से रेत के अवैध परिवहन में लगे 3 हाईवा, एक विशालकाय चेन माउंटेड उत्खनन मशीन (पोकलेन) और एक ट्रेलर को रंगे हाथों दबोच कर अपने कब्जे में ले लिया। प्रशासनिक टीम ने मौके पर ही पंचनामा तैयार कर सभी वाहनों को कुर्क कर लिया है।
यह कहता है कानून
बिना वैध अनुमति और स्वीकृत लीज के खनिज निकालना खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 के तहत गैर-जमानती और गंभीर अपराध है। इसके अलावा, राष्ट्रीय हरित अधिकरण के सख्त नियमों के मुताबिक, किसी भी नदी के जलप्रवाह को रोककर या भारी चेन मशीनों (पोकलेन) से नदी के भीतर से रेत निकालना पूरी तरह प्रतिबंधित है।
माफियाओं में हडकंप
सूत्रों की मानें तो इस जब्ती के बाद अब माइनिंग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम यह जांच कर रही है कि इस प्रतिबंधित क्षेत्र में किसकी शह पर यह काला कारोबार फल-फूल रहा था। यदि जांच में लीज शर्तों का उल्लंघन या पूर्णतः अवैध उत्खनन की पुष्टि होती है, तो कंपनी पर करोड़ों रुपये का जुर्माना और एफआईआर होना तय है।

डिंडौरी में किराना व्यापारी की हत्या से सनसनी, दुकान में मिला शव

चोरी के बाद वारदात की आशंका

डिंडौरी। जिले के विक्रमपुर चौकी क्षेत्र के हर्राई गांव में एक किराना व्यापारी की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या का मामला सामने आया है। व्यापारी का शव उसकी दुकान के अंदर मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि अज्ञात बदमाश चोरी की नीयत से दुकान में घुसे और वारदात के दौरान व्यापारी की गला दबाकर हत्या कर दी। हालांकि पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही हत्या के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।जानकारी के अनुसार हर्राई गांव निवासी ऊधोराम साहू अपने किराना प्रतिष्ठान के भीतर मृत अवस्था में मिले। घटना के बाद दुकान की आलमारी का ताला टूटा हुआ पाया गया, जबकि नकदी सहित अन्य सामान गायब होने की बात सामने आई है। दुकान के भीतर सामान बिखरा पड़ा था, जिससे चोरी की आशंका और मजबूत हो गई है।
घटना की सूचना मिलते ही विक्रमपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को सुरक्षित कर फॉरेंसिक टीम की मदद से जांच शुरू कर दी है, ताकि हत्या और चोरी से जुड़े अहम सुराग मिल सकें।पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच की जा रही है।इधर, घटना के बाद हर्राई सहित आसपास के गांवों में दहशत और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि मामला प्रथम दृष्टया चोरी के दौरान हत्या का प्रतीत होता है, लेकिन अन्य संभावित कारणों से भी इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने पुलिस से निष्पक्ष एवं व्यापक जांच कर जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार फिलहाल किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही हत्या के कारणों की पुष्टि की जाएगी। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका गतिविधियों में गुणवत्ता सुधार पर जोर

करंजिया के आकांक्षी विकासखंड की प्रगति की समीक्षा

डिंडौरी। राज्य नीति आयोग की प्रभारी एवं शहडोल संभाग की कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने गुरुवार को आकांक्षी विकासखंड करंजिया में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक लेकर विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाएं, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक विकास, बुनियादी ढांचा, आजीविका संवर्धन सहित विभिन्न विकासात्मक बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। कमिश्नर ने कहा कि आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम का उद्देश्य दूरस्थ और अपेक्षाकृत कम विकसित क्षेत्रों में नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाना तथा बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित करना है। इसके लिए योजनाओं के प्रभावी समन्वय, सतत निगरानी और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली अपनाने पर बल दिया गया।
स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान चार आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के एनक्यूएएस प्रमाणीकरण, सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कायाकल्प कार्यक्रम, एचपीवी टीकाकरण, सेम एवं मेम बच्चों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की सतत ट्रैकिंग, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा, गंभीर कुपोषित बच्चों के एनआरसी रेफरल एवं फॉलोअप तथा सुरक्षित मातृत्व और पोषण संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की गई।शिक्षा विभाग को विद्यालयों में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने और आगामी बोर्ड परीक्षाओं के बेहतर परिणाम के लिए अभी से रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही शिक्षण व्यवस्था में गुणवत्ता सुधार, विद्यार्थियों के नामांकन और उपस्थिति में वृद्धि, प्री-स्कूल शिक्षा को मजबूत करने, पर्याप्त बालिका शौचालय उपलब्ध कराने तथा 'पंखिनी सपनों को दो पंख' अभियान के प्रभावी संचालन पर विशेष जोर दिया गया।महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में ग्रोथ मॉनिटरिंग, कुपोषण की समय पर पहचान और प्रबंधन, टेक होम राशन (टीएचआर) के नियमित वितरण, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं की काउंसलिंग, टीकाकरण, पेयजल, शौचालय, बिजली और एलईडी टीवी जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा छह माह से छह वर्ष तक के बच्चों के नियमित वृद्धि मापन की प्रगति का आकलन किया गया।
कृषि एवं आजीविका गतिविधियों की समीक्षा के दौरान कोदो-कुटकी, रामतिल और अन्य मिलेट फसलों के विस्तार, स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका संवर्धन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, गोंडी पेंटिंग नवाचार एवं स्केल-अप परियोजना तथा रामकृष्ण कुटीर संस्था के सहयोग से संचालित गतिविधियों की प्रगति पर चर्चा की गई।बैठक में जल संरक्षण, भूजल संवर्धन, पशुओं के एफएमडी टीकाकरण अभियान, स्वच्छता एवं हाइजीन के प्रति जनजागरूकता तथा विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से आकांक्षी विकासखंड करंजिया के समग्र विकास को गति देने पर भी जोर दिया गया। बैठक के अंत में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत पंकज जैन, संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावी, एसडीएम बजाग अक्षय डिगरसे, सहायक आयुक्त राजेंद्र कुमार जाटव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पाण्डे, जिला शिक्षा अधिकारी सुमन परस्ते, जिला परियोजना समन्वयक अर्पणा पाण्डे, उप संचालक कृषि संजय दोषी, अभिषेक बंसल, आकांक्षी विकासखंड फेलो हरीश विश्वकर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बजाग में स्कूल, आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण

डिंडौरी। आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के तहत कलेक्टर एसडीएम बजाग अक्षय डिगरसे के मार्गदर्शन में बजाग विकासखंड की विभिन्न शासकीय संस्थाओं का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सचिन अग्रवाल एवं नीति आयोग के आकांक्षी विकासखंड फेलो डॉ. विकास जैन ने किया।निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों और स्वास्थ्य संस्थानों का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने बच्चों की उपस्थिति, पेयजल व्यवस्था, शौचालयों की साफ-सफाई, शिक्षण की गुणवत्ता तथा मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था का निरीक्षण किया।
आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे पूरक पोषण आहार एवं प्रारंभिक शिक्षा संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली गई। वहीं विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का आकलन किया गया। स्वास्थ्य केंद्रों में एनक्यूएएस (राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक) प्रमाणित संस्थानों का निरीक्षण कर मरीजों को उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता और साफ-सफाई की समीक्षा की गई।निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी सचिन अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को शौचालय एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था बनाए रखने, गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराने तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से आकांक्षी विकासखंड के प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) में अपेक्षित सुधार लाया जा सकेगा।आकांक्षी विकासखंड फेलो डॉ. विकास जैन ने कहा कि नियमित मॉनिटरिंग और फील्ड विजिट से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ सेवा वितरण की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

जिला अस्पताल में नशा मुक्ति शपथ कार्यक्रम आयोजित, मरीजों व परिजनों को किया जागरूक

डिंडौरी। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के मार्गदर्शन में संचालित नशा मुक्ति अभियान के तहत जिला चिकित्सालय डिंडौरी में गुरुवार को नशा मुक्ति जनजागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उपचार के लिए अस्पताल पहुंचे मरीजों एवं उनके परिजनों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट, शराब तथा अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। साथ ही उनसे स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, समाज और गांवों में भी नशामुक्त वातावरण बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।
इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को नशामुक्त जीवन अपनाने और अन्य लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई। वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार और समाज की खुशहाली को भी प्रभावित करता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह नशे के विरुद्ध जनजागरूकता फैलाने में अपना योगदान दे।कार्यक्रम में सिविल सर्जन रमेश मरावी, कोटपा नियंत्रण अधिकारी डॉ. धर्मवीर मार्को, प्रभारी सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सरमन सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने जिले को नशामुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

अतिथि शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

डिंडौरी न्यूज। जिले में सत्र 2026-27 के लिए अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में कथित देरी को लेकर गुरुवार को अतिथि शिक्षक संघ डिंडोरी ने जिला अध्यक्ष इमरान मलिक के नेतृत्व में सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया शुरू कराने की मांग की।संघ के प्रतिनिधिमंडल में जिला कार्यकारिणी सदस्य जगमोहन तिवारी, आनंद कटारिया, तारेंद्र पाराशर, विभा ठाकुर सहित अन्य अतिथि शिक्षक उपस्थित रहे।
ज्ञापन के माध्यम से संघ ने बताया कि जनजातीय कार्य विभाग के आयुक्त, भोपाल द्वारा 4 जुलाई 2026 को अतिथि शिक्षक भर्ती संबंधी आदेश जारी किया जा चुका है, लेकिन डिंडोरी जिले के जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित विद्यालयों में अब तक अधिकांश संस्थाओं द्वारा भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ नहीं की गई है। संघ का कहना है कि इस देरी का सीधा असर विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ रहा है और विद्यालयों में कई कालखंड खाली रहने से पाठ्यक्रम प्रभावित हो रहा है।
जिला अध्यक्ष इमरान मलिक ने आरोप लगाया कि जिन पदों पर नियमित शिक्षकों की भर्ती अथवा स्थानांतरण के बाद भी रिक्तियां बनी हुई हैं, वहां पूर्व में कार्यरत पात्र अतिथि शिक्षकों को तत्काल बुलाकर शिक्षण कार्य प्रारंभ कराया जा सकता है। उनका कहना है कि अन्य जिलों में स्थानीय सहायक आयुक्तों द्वारा आदेश जारी कर संस्था प्रमुखों को शीघ्र भर्ती करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं, जबकि डिंडोरी जिले में प्रक्रिया अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है।
उन्होंने कहा कि शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के कई दिन बाद भी रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होने से विद्यार्थियों का शैक्षणिक नुकसान हो रहा है। संघ का आरोप है कि संस्था प्रमुखों की धीमी कार्यप्रणाली के कारण शासन के आदेशों का समय पर पालन नहीं हो पा रहा है।अतिथि शिक्षक संघ ने सहायक आयुक्त से मांग की है कि सभी संस्था प्रमुखों को तत्काल निर्देश जारी कर रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति शीघ्र सुनिश्चित कराई जाए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।संघ ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ नहीं की गई तो अतिथि शिक्षक अपने अधिकारों की मांग को लेकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

गाड़ासरई के निजी स्कूल में निरीक्षण, कई अनियमितताएं मिलीं

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिले के निजी विद्यालयों के निरीक्षण अभियान के तहत गुरुवार को बिरासनी शिशु विद्या मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल, गाड़ासरई का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में मान्यता संबंधी नियमों के उल्लंघन सहित कई अनियमितताएं सामने आईं।निरीक्षण दल को विद्यालय में मनमाने तरीके से शुल्क वसूली, स्वीकृत परिसर के अलावा अन्य कमरों में कक्षाओं का संचालन, बिना वैध फिटनेस प्रमाणपत्र वाले विद्यालयी वाहनों का उपयोग, आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की कमी, छोटे एवं अपर्याप्त कमरों में कक्षाएं संचालित किए जाने तथा खेल मैदान के अभाव जैसी कमियां मिलीं।निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधन को आवश्यक निर्देश दिए।

साथ ही स्पष्ट किया कि पाई गई अनियमितताओं के संबंध में मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (स्थापना एवं संचालन) नियमों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।निरीक्षण दल में जिला शिक्षा अधिकारी सुमन परस्ते, एडीपीसी प्रवीण तिवारी,

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रैपुरा के प्राचार्य आलोक जैन, सांदीपनि विद्यालय डिंडौरी के प्राचार्य जे. एस. मरकाम तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बजाग के प्राचार्य बी. एस. पंद्राम शामिल रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, शुक्रवार 10 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन आज

तेंदूखेड़ा। किसान कांग्रेस के आह्वान पर किसानों की 100 प्रतिशत मूंग समर्थन मूल्य पर खरीदी तथा किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान एवं अन्य प्रमुख मांगों को लेकर आज जिला किसान कांग्रेस कमेटी नरसिंहपुर के आह्वान पर गाडरवारा कृषि उपज मंडी में एस डी एम कार्यालय का घेराव किया जायेगा। जिसमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी पूर्व विधायक संजय शर्मा सहित जिले के वरिष्ठ नेताओं के साथ साथ जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल जिला किसान कांग्रेस के संतोष पटेल भी उपस्थित रहेंगे। दोपहर एक बजे आयोजित इस धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में उपस्थिती की अपील ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश पटेल ने की है।

चढ़ार समाज की सामाजिक एवं संगठनात्मक बैठक 12 को

तेंदूखेड़ा। आगामी 12 जुलाई को अखिल भारतीय सर्व चड़ार समाज सभा की आवश्यक बैठक समाज के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण एवं सामाजिक विकास के उद्देश्य से श्री मारुति सेवा आश्रम उत्तर तट सत्धारा बरमान में आयोजन किया जा रहा है।इस बैठक में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तुलाराम अठ्या प्रदेश अध्यक्ष दीपचंद चड़ार सहित प्रदेश एवं जिला स्तर के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।इस बैठक में नरसिंहपुर जिले में ब्लॉक स्तर पर संगठन विस्तार की कार्य योजना जिला कार्यकारिणी की घोषणा एवं संगठनात्मक गठन समाज की शिक्षा संगठन एवं स्वाभिमान से जुड़े विषयों पर चर्चा युवा एवं महिला इकाइयों के गठन पर विचार विमर्श सामाजिक शैक्षणिक एवं संगठनात्मक मुद्दों पर सुझाव एवं निर्णय लिये जायेंगे। हमारे प्रतिनिधि को राजेश चढ़ार ने जानकारी देते हुए बताया कि दोपहर 12 बजे से आयोजित होने वाली इस बैठक में जिला सहित आसपास के सभी जिलों के समाज बंधु अधिक सेअधिक संख्या में उपस्थित होकर संगठन को मजबूत बनाने के इस प्रयास को सफल बनाएं तथा समाज के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

जिले में अब तक 177.6 मिमी अर्थात 6.98 इंच वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में एक जून से 9 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 177.6 मिमी अर्थात 6.98 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 9 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 16.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 12 मिमी, गाडरवारा में 15, गोटेगांव में 35 मिमी, करेली में 16 मिमी और तेंदूखेड़ा में 4 मिमी वर्षा आंकी गई है। तहसीलदार भू- संसाधन एवं प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 196 मिमी, गाडरवारा में 194 मिमी, गोटेगांव में 110 मिमी, करेली में 132 और तेन्दूखेड़ा में 256 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 490 मिमी वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 506 मिमी, गाडरवारा में 584 मिमी, गोटेगांव में 423 मिमी, करेली में 476 मिमी और तेन्दूखेड़ा में 461 मिमी वर्षा हुई थी।

90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने का दिया लक्ष्य

दृढ़ संकल्प, अध्ययन व तनाव प्रबंधन से ही मिलेगी सफलता: डीईओ

बेहतर परिणाम हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए सकारात्मक शैक्षणिक संवाद स्थापित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य आधारित अध्ययन, समय प्रबंधन एवं तनाव नियंत्रण के महत्व पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। डीईओ डॉ. कुशवाहा ने कहा कि परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता केवल अधिक समय तक पढ़ाई करने से नहीं, बल्कि सही योजना, निरंतर अभ्यास, आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन से प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित समय-सारणी बनाने, दैनिक लक्ष्य निर्धारित करने, विषयवार रणनीति तैयार करने तथा प्रतिदिन अध्ययन की समीक्षा करने की सलाह दी।

विद्यार्थी चुनौतियों का करे सामना

उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी प्रारंभ से ही योजनाबद्ध तरीके से अध्ययन करें, तो सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होगी। उन्मुखीकरण कार्यक्रम में उन्होंने छात्र जीवन में आने वाली चुनौतियों, एकाग्रता में बाधा बनने वाले कारणों एवं परीक्षा के तनाव पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि चुनौतियां हर किसी के जीवन का हिस्सा होती हैं, लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ हर कठिनाई को अवसर में बदला जा सकता है। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि वे अपनी क्षमता पर विश्वास रखें और अनावश्यक व्यस्तताओं से दूर रहकर अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन भविष्य निर्माण का स्वर्णिम समय है, जिसका सदुपयोग कर प्रत्येक विद्यार्थी अपने सपनों को साकार कर सकता है।

शिक्षक विद्यार्थियों से करें संवाद

डॉ. कुशवाहा ने विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि बड़ा लक्ष्य ही बड़े परिणामों का आधार होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने तक सीमित न रहें, बल्कि उत्कृष्टता प्राप्त करने का संकल्प लें और अपने विद्यालय, परिवार एवं जिले का नाम गौरवान्वित करें। इस दौरान उन्होंने कक्षा 9 वीं एवं 11 वीं के मेधावी विद्यार्थियों से भी संवाद स्थापित कर उन्हें विषयों की गहराई से समझ विकसित करने तथा आगामी कक्षाओं के लिए मजबूत आधार तैयार करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही समस्त शिक्षकों को शैक्षणिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रतिबद्ध होकर कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यालय स्टाफ और छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

डोलोमाइट खदान में किया पौधरोपण

पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में व्यापक पौधरोपण के कार्य किए जा रहे है। इसी क्रम में खनिज विभाग के द्वारा जिले की सिमरिया डोलोमाइट खदान क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापक पौधरोपण का कार्य किया गया। निर्धारित कार्यक्रम के तहत 8 जुलाई को 150 और 9 जुलाई को 160 पौधों का रोपण किया गया। इस प्रकार दो दिनों में कुल 310 पौधों का रोपण कर खदान क्षेत्र को हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इन पौधों में आम, जामुन, अमरूद, कटहल आदि छायादार एवं फलदार पौधे शामिल हैं। पौधरोपण के माध्यम से क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और जैव विविधता को संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा ऐसे कार्यों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित हो सके तथा भविष्य में एक स्वच्छ एवं हरित वातावरण का निर्माण हो।

भाविप ने सेवा पखवाड़े के अंतर्गत किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस भारत विकास परिषद द्वारा देशभर में आयोजित किए जा रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत विकास परिषद महाकोशल प्रांत के संरक्षक सरदार सिंह पटेल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत का संदेश देने के साथ हुआ। मुख्य अतिथि सरदार सिंह पटेल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनका संरक्षण करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि भारत विकास परिषद सेवा कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी निरंतर उल्लेखनीय कार्य कर रही है। परिषद के रीजनल अध्यक्ष सुनील कोठारी ने अपने संबोधन में कहा कि सेवा पखवाड़े के अंतर्गत परिषद द्वारा पूरे देश में विविध सेवा एवं जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पौधरोपण अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनके संरक्षण का संकल्प लेकर आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण तैयार करना भी है। कार्यक्रम में परिषद के सदस्यों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता करते हुए अनेक छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर जेके शर्मा राष्ट्रीय सदस्य पर्यावरण ने सभी को पालीथीन मुक्त परिवार का संकल्प दिलाकर अनुरोध किया कि हम अपने परिवारों से पॉलीथीन मुक्ति की और बढ़े। इस अवसर पर गोष्ठी में चर्चा का संचालन प्रांत मार्गदर्शक संजय तिवारी ने किया।चर्चा में सहभागी आशुतोष वर्मा, उमेश दुबे (अध्यक्ष नरसिंहपुर), राजेश नेमा (अध्यक्ष विवेकानंद), गोविंद सिंह पटेल (अध्यक्ष गोटेगांव) राजेश पटेल, सुरेश नेमा, तुलसीराम जाट, जी.एस. पटेल, प्रवीण मिश्रा, कुलदीप सलूजा, सोमराज कोरी, योगेंद्र सोनी, अनुराग चौक से, किरण नेमा एवं सविता अग्रवाल सहित परिषद के अनेक सदस्य एवं कॉलोनी वासी उपस्थित रहे।

जनभागीदारी से जल संरक्षण की अनूठी मिसाल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल के तहत जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत मेख में ऐतिहासिक तालाब का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेंद्र नागेश के मार्गदर्शन में यह कार्य जनभागीदारी से तेजी से प्रगति पर है। इस तालाब की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वर्ष 1959 में स्व. श्री सुरेश कुमार चंद्र, प्रकाश नेमा, शरद नेमा एवं उनके परिवार ने भविष्य में जल संकट की आशंका को देखते हुए 20.29 एकड़ भूमि तालाब निर्माण के लिए दान कर दी थी। आज करीब 67 वर्ष बाद उसी दूरदर्शी निर्णय का लाभ पूरे क्षेत्र को मिलने जा रहा है। तालाब के जीर्णोद्धार के बाद इसकी जल भंडारण क्षमता 7.21 लाख घनमीटर (72130 घनमीटर यदि मूल अभिलेखानुसार) होगी, जिससे वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण होगा, भूजल स्तर में वृद्धि होगी और आसपास के किसानों तथा ग्रामीणों को लंबे समय तक जल उपलब्धता का लाभ मिलेगा। तालाब निर्माण कार्य से ग्रामवासियों और जनप्रतिनिधियों में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल तालाब का पुनर्जीवन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव है। मेख तालाब का जीर्णोद्धार जल संरक्षण के क्षेत्र में जिले के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण बन रहा है। श्रीमती साधना परस्ते एडीएम जबलपुर ने उक्त तालाब का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी व्हीबी-जी राम जी, सहायक यंत्री व उपयंत्री जनपद पंचायत और सचिव व रोजगार सहायक मौजूद थे।

आवारा मवेशियों को पकड़ने का अभियान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में नगर में यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से आवारा मवेशियों को पकड़ने का विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नगर पालिका एवं संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने शहर के प्रमुख मार्गों से आवारा घूम रहे मवेशियों को पकड़ा और उन्हें सुरक्षित रूप से गौशाला भेजा। अभियान के तहत बाहरी रोड सहित विभिन्न व्यस्त क्षेत्रों में सड़क पर विचरण कर रहे मवेशियों को रेस्क्यू किया गया। सड़क पर बैठे एवं घूम रहे मवेशियों के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, जिसे देखते हुए यह कार्रवाई की गई। टीम ने पशुओं को सुरक्षित तरीके से नियंत्रित कर वाहनों एवं आमजन की आवाजाही को सुचारु बनाया। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शहर में आवारा मवेशियों के विरुद्ध नियमित अभियान चलाया जाए, ताकि यातायात बाधित न हो और दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। साथ ही पशुपालकों से भी अपने मवेशियों को खुले में न छोड़ने तथा उनका समुचित प्रबंधन करने की अपील की गई है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नर्मदा परिक्रमा पथ पर बरसे सीड बॉल्स, प्रकृति संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में एक सराहनीय पहल के तहत कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में तैयार किए गए सीड बॉल्स का ग्राम पंचायत चांवरपाठा, जनपद पंचायत चांवरपाठा द्वारा नर्मदा परिक्रमा पथ एवं गौशाला परिसर के समीप सीड बॉम्बिंग अभियान चलाकर प्रकृति को समर्पित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य वर्षा ऋतु का अधिकतम लाभ उठाकर ऐसे क्षेत्रों में पौधों का प्राकृतिक रूप से विकास करना है, जहां नियमित वृक्षारोपण संभव नहीं हो पाता। मिट्टी और जैविक खाद से तैयार इन सीड बॉल्स में विभिन्न प्रजातियों के बीज शामिल हैं, जो बारिश के साथ अंकुरित होकर आने वाले समय में हरियाली की नई मिसाल बनेंगे। इस अवसर पर जनपद पंचायत के अधिकारियों-कर्मचारियों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

पत्रकार संजय पचौरी को भ्रात शोक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस ग्राम मछेरा कलां के प्रतिष्ठित नागरिक राजेन्द्र कुमार पचौरी का अस्वस्थता के चलते 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होने नागपुर स्थिति निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। आप मछेरा कलां निवासी स्व. पंडित शंकरलाल पचौरी के मझले पुत्र, स्व. महेशकुमार पचौरी के अनुज, मोहन लाल पचौरी एवं बरिष्ठ पत्रकार संजय पचौरी के बड़े भाई तथा आशीष पचौरी के पिता थे। अंतिम संस्कार आज 10 जुलाई शुक्रवार को 11 बजे गृह ग्राम मछेरा कलां (बनखेड़ी) में किया जायेगा।

नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए प्रशासन सख्त

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले में नशीले पदार्थों की रोकथाम, तंबाकू नियंत्रण तथा प्रतिबंधित दवाइयों के अवैध विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एनकार्ड बैठक आयोजित की गई। बैठक में नशे के विरुद्ध संचालित गतिविधियों, विभागीय समन्वय तथा प्रवर्तन कार्यवाहियों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती मीना ने कहा कि नशीले पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के साथ-साथ जनजागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों को नशे की लत से बचाने के लिए सभी विभागों को समन्वित प्रयास करने होंगे तथा शासन के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना होगा। कलेक्टर श्रीमती मीना ने सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (ष्टहअक्कर्) के प्रावधानों का जिलेभर में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, तंबाकू उत्पादों के अवैध विक्रय तथा अधिनियम के अन्य उल्लंघनों के विरुद्ध नियमित अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। संबंधित विभाग संयुक्त रूप से निरीक्षण करें तथा कार्रवाई की प्रगति की नियमित समीक्षा भी करें। कलेक्टर श्रीमती मीना ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि जिले के सभी विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू एवं धूम्रपान संबंधी उत्पादों की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहे। इस संबंध में विद्यालयों के आसपास नियमित निरीक्षण अभियान चलाए जाएं तथा उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाए।

स्व. कर्नल मुशरान की पुण्यतिथि आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। म.प्र.शासन के पूर्व वित्त मंत्री स्व. कर्नल अजय नारायण मुशरान की पुण्यतिथि के अवसर पर 10 जुलाई को एम.आई.एम.टी. द्वारा प्रतिवर्षानुसार विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जावेगा। इस क्रम में आज प्रातः 10:30 बजे स्थानीय मुक्तिधाम में स्व. कर्नल अजय नारायण मुशरान के समाधि स्थल पर पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया है। पुष्पांजलि सभा में गणमान्य जनों, एम.आई.एम.टी. स्टॉफ मेम्बर्स एवं एन.एस.एस. इकाई के छात्रों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की जावेगी तथा एन.सी.सी. इकाई द्वारा सलामी दी जावेगी। इसके उपरांत शासकीय जिला चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरण कर उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की जावेगी।